अध्याय 03

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

इस अध्याय में...

- परिवहन
- संचार सेवाएँ
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
- पर्यटन : एक व्यापार के रूप में

परिवहन और संचार के साधन; जैसे—रेल परिवहन, वायु परिवहन, जल परिवहन, समाचार-पत्र, रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, इंटरनेट आदि विश्व से भारत को जोड़कर उसकी सामाजिक-आर्थिक उन्नति में योगदान कर रहे हैं।

परिवहन

वस्तुओं और सेवाओं को आपूर्ति स्थानों से माँग स्थानों तक पहुँचाने के लिए परिवहन संसाधनों की आवश्यकता होती है, इसलिए एक देश की विकास की गति वस्तुओं तथा सेवाओं के उत्पादन के साथ-साथ परिवहन की सुविधाओं पर भी निर्भर करती है। वस्तुओं तथा सेवाओं का आवागमन पृथ्वी के तीन महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों पर किया जाता है—स्थल, जल व वायु। इन्हीं के आधार पर परिवहन को वर्गीकृत किया जाता है

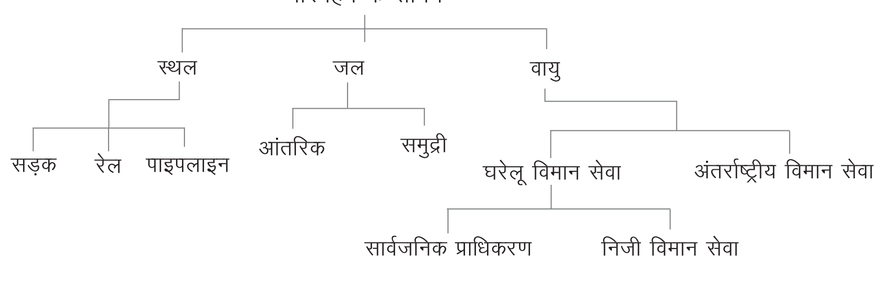

भारत में परिवहन

स्थल परिवहन

भारत विश्व के उन देशों में शामिल है, जहाँ सड़कों का जाल सर्वाधिक है। भारत में सड़कों का जाल लगभग 56 लाख किमी है। भारत में सड़क परिवहन का बढ़ता महत्त्व निम्न कारणों से है

- रेलवे लाइन की अपेक्षा सड़कों की निर्माण लागत बहुत कम है।

- सड़कों को ऊबड़-खाबड़ व विच्छिन्न भागों में भी बनाया जा सकता है।
- अधिक ढाल प्रवणता (Gradient slope) तथा पहाड़ी क्षेत्रों में भी सड़कें निर्मित की जा सकती हैं; जैसे—हिमालय।
- कम व्यक्तियों, कम दूरी व कम वस्तुओं के परिवहन में सड़क मितव्ययी है।
- यह घर-घर सेवाएँ उपलब्ध करवाती है तथा सामान चढ़ाने व उतारने की लागत भी अपेक्षाकृत कम है।
- सड़क परिवहन, अन्य परिवहन साधनों के उपयोग में एक कड़ी के रूप में भी कार्य करता है; जैसे—सड़कें, रेलवे स्टेशन, वायु व समुद्री पत्तनों को जोड़ती हैं।

क्षमता के आधार पर सड़कों का वर्गीकरण

भारत में सड़कों की क्षमता के आधार पर इन्हें छः वर्गों में वर्गीकृत किया गया है

(i) **स्वर्णिम चतुर्भुज महाराजमार्ग** (Golden Quadrilateral Super Highways) यह सड़क विकास की एक महत्त्वपूर्ण परियोजना है, जिसे भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया है। यह दिल्ली-कोलकाता, चेन्नई-मुंबई और दिल्ली को जोड़ने वाली 6 लेन वाली महाराजमार्गों की परियोजना है। इस परियोजना में दो गलियारे प्रस्तावित हैं

- **उत्तर-दक्षिण गलियारा** यह श्रीनगर को कन्याकुमारी से जोड़ता है।
- **पूर्व-पश्चिम गलियारा** यह सिलचर (असम) तथा पोरबंदर (गुजरात) को जोड़ता है।

इस महाराजमार्ग का प्रमुख उद्देश्य भारत के मेगासिटी (Mega cities) के मध्य परिवहन दूरी व समय को कम करना है। यह राजमार्ग परियोजना **भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण** (National Highway Authority of India, NHAI) के अधिकार क्षेत्र में है।

(ii) **राष्ट्रीय राजमार्ग** राष्ट्रीय राजमार्ग (National Highways) देश के दूरस्थ भागों को आपस में जोड़ते हैं। यह देश का प्राथमिक सड़क तंत्र है। इसके निर्माण एवं रख-रखाव की जिम्मेदारी केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (Central Public Works Department, CPWD) की है।

भारत के अनेक राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, जो देश के उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम भाग को जोड़ते हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग-1 ऐतिहासिक राजमार्ग है, जिसे **शेरशाह सूरी मार्ग** के नाम से जाना जाता है। यह राजमार्ग दिल्ली और अमृतसर को जोड़ता है।

(iii) **राज्य राजमार्ग** राज्यों की राजधानियों को जिला मुख्यालयों से जोड़ने वाली सड़कें राज्य राजमार्ग कहलाती हैं। राज्यों एवं केंद्रशासित क्षेत्रों में इन सड़कों के निर्माण एवं रख-रखाव की जिम्मेदारी राज्य सरकार के अधीन राज्य के सार्वजनिक निर्माण विभाग (Public Works Department) की होती है।

(iv) **जिला सड़क** ये सड़कें जिले के विभिन्न प्रशासनिक केंद्रों को जिला मुख्यालय से जोड़ती हैं। इन सड़कों की व्यवस्था का उत्तरदायित्व जिला परिषद् का होता है।

(v) **अन्य सड़कें** इसके अंतर्गत वे सड़कें आती हैं, जो गाँवों को शहरों से जोड़ती हैं। इनका निर्माण 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना' (PMGSY) के अंतर्गत किया जाता है। इस परियोजना के अंतर्गत विशेष प्रावधान हैं, जिसमें देश के प्रत्येक गाँव को प्रमुख शहरों से उन पक्की सड़कों द्वारा जोड़ना प्रस्तावित है, जिन पर वर्षभर वाहन चल सकें।

(vi) **सीमावर्ती सड़कें** (Border Roads) **या सीमांत सड़कें** देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण एवं प्रबंधन सीमा सड़क संगठन (Border Road Organisation, BRO) द्वारा किया जाता है। इस संगठन की स्थापना वर्ष 1960 में हुई थी।

इस संगठन का उद्देश्य उत्तर तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में सामरिक महत्त्व की सड़कों का विकास करना है। इन सड़कों का विकास होने से दुर्गम क्षेत्रों में अभिगम्यता में वृद्धि हुई है और ये इन क्षेत्रों के आर्थिक विकास (Economic Development) में भी सहायक हुई हैं।

सड़क निर्माण में प्रयुक्त पदार्थ के आधार पर सड़कों का वर्गीकरण

इस आधार पर सड़कें दो प्रकार की होती हैं

(i) **पक्की सड़कें** ये सड़कें सीमेंट, कंक्रीट या कोयले की कोलतार से बनाई जाती हैं, इसीलिए ये सड़कें बारहमासी अर्थात् सभी मौसम के लिए उपयुक्त हैं।

(ii) **कच्ची सड़कें** ये सड़कें मिट्टी और टूटी हुई चट्टान से बनी होती हैं और इन सड़कों का उपयोग सूखे मौसम में किया जाता है। ये सड़कें वर्षा ऋतु में अनुपयोगी होती हैं।

रेल परिवहन

भारत में रेल परिवहन वस्तुओं तथा यात्रियों के परिवहन का प्रमुख साधन है। यह भारी वजन उठाने और लंबी दूरी के लिए उत्कृष्ट है। भारतीय रेल परिवहन की मार्गीय लंबाई 68,442 किमी है। रेल परिवहन लोगों को अनेक प्रकार की गतिविधियाँ प्रदान करता है; जैसे—व्यापार (Trade), भ्रमण, तीर्थ यात्राएँ व लंबी दूरी तक सामान का परिवहन आदि।

भारतीय रेल परिवहन को 16 जोनों में विभाजित किया गया है। इसके तीन गेज हैं—**बड़ी गेज** (Broad Gauge), **मीटर गेज** (Meter Gauge) एवं **छोटी गेज** (Narrow Gauge)।

भारतीय रेल परिवहन देश का सर्वाधिक बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का प्राधिकरण है। देश की पहली रेलगाड़ी 1853 ई. में मुंबई और थाणे के मध्य चलाई गई, जो 34 किमी की दूरी तय करती थी।

भारतीय रेलवे के लिए चुनौतियाँ

- प्रायद्वीपीय भारत के पहाड़ी क्षेत्रों में रेलवे लाइनों को बिछाना कठिन है। इन क्षेत्रों में रेलवे ट्रैक छोटी पहाड़ियों और सुरंगों आदि से होकर गुजरते हैं।
- हिमालय पर्वतीय क्षेत्र भी दुर्लभ उच्चावच, विरल जनसंख्या तथा आर्थिक अवसरों की कमी के कारण रेलवे लाइन के निर्माण के लिए प्रतिकूल परिस्थितियाँ उत्पन्न करता है।
- पश्चिमी राजस्थान का रेतीला मैदान, गुजरात का दलदली भाग, मध्य प्रदेश का वन क्षेत्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा व झारखंड में रेलवे लाइन का निर्माण करना कठिन है।

- रेलवे ट्रैक के डूबने की समस्या रहती है। उदाहरण के लिए, सह्याद्रि और उसके आस-पास के क्षेत्र को भी घाट या दर्रों के द्वारा ही पार करना संभव है।
- रेलवे ट्रैक को बिछाने की प्रारंभिक लागत बहुत अधिक है।

भारतीय रेलवे की समस्याएँ

रेल परिवहन की कुछ प्रमुख समस्या निम्न हैं

- बहुत से यात्री बिना टिकट यात्रा करते हैं।
- रेल संपत्ति की हानि तथा चोरी जैसी समस्याएँ भी पूर्णतया समाप्त नहीं हुई हैं।
- जंजीर खींचकर यात्री कहीं भी अनावश्यक रूप से गाड़ी रोकते हैं, जिससे रेलवे को हानि उठानी पड़ती है।

पाइपलाइन

- पाइपलाइन का प्रयोग कच्चा तेल, पेट्रोल उत्पाद व प्राकृतिक गैस तथा ठोस पदार्थों को तरल अवस्था (Slurry) में परिवर्तित करके ले जाने के लिए किया जाता है।
- सुदूर आंतरिक भागों में स्थित शोधनशालाएँ (Refineries), जैसे—बरौनी, मथुरा, पानीपत तथा गैस पर आधारित उर्वरक कारखानों की स्थापना पाइपलाइनों के कारण ही संभव हो पाई है।
- पाइपलाइन बिछाने की प्रारंभिक लागत अधिक है, लेकिन इसको चलाने की लागत न्यूनतम है।
- सामानों के परिवहन में देरी तथा हानियाँ इसमें बहुत कम होती हैं।

प्रमुख पाइपलाइन जाल

भारत के कुछ प्रमुख पाइपलाइन जाल निम्न प्रकार हैं

- **ऊपरी असम** (Upper Assam) के तेल क्षेत्रों से **गुवाहाटी**, **बरौनी** व **इलाहाबाद** के रास्ते **कानपुर** (उत्तर प्रदेश) तक। इसकी एक शाखा बरौनी से राजबंध होकर हल्दिया तक, दूसरी शाखा राजबंध से मौरी ग्राम तक तथा तीसरी शाखा गुवाहाटी से सिलीगुड़ी तक है।
- गुजरात में **सलाया** से **वीरमगाँव**, **मथुरा**, **दिल्ली** व **सोनीपत** के रास्ते **पंजाब** में **जालंधर** तक। इसकी अन्य शाखा वडोदरा के निकट कोयली को चक्शु व अन्य स्थानों से जोड़ती है।
- हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर (HBJ) गैस पाइपलाइन गुजरात के हजीरा को उत्तर प्रदेश में जगदीशपुर से मिलाती है। यह मध्य प्रदेश के विजयपुर के रास्ते से निकलती है। इसकी शाखाएँ राजस्थान में कोटा तथा उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर, बबराला व अन्य स्थानों पर हैं।

जल परिवहन

जल परिवहन, परिवहन का सबसे सस्ता साधन है। यह भारी और स्थूल वस्तुओं के संचालन हेतु अनुकूल होता है। यह परिवहन साधनों में ऊर्जा सक्षम तथा पर्यावरण अनुकूल है।

आंतरिक जल परिवहन

भारत में अंत:स्थलीय नौसंचालन जलमार्ग 14,500 किमी लंबा है। इसमें केवल 5,685 किमी मार्ग ही मशीनीकृत नौकाओं द्वारा तय किया जाता है। आंतरिक जल परिवहन को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित कर निम्न श्रेणियों में बाँटा गया है

जलमार्ग	कहाँ-से-कहाँ तक
जलमार्ग संख्या-1	हल्दिया से इलाहाबाद के मध्य 1620 किमी लंबा गंगा जलमार्ग।
जलमार्ग संख्या-2	सादिया व धुबरी के मध्य 891 किमी लंबा ब्रह्मपुत्र नदी जलमार्ग।
जलमार्ग संख्या-3	केरल में पश्चिम तटीय नहर (कोट्टापुरम से कोल्लम तक, उद्योगमंडल तथा चंपक्कारा नहरें) जिसकी लंबाई 205 किमी है।
जलमार्ग संख्या-4	काकीनाडा और पुदुचेरी नहर स्ट्रेच के साथ-साथ गोदावरी और कृष्णा नदी का विशेष विस्तार, जिसकी लंबाई 1078 किमी है।
जलमार्ग संख्या-5	मातई नदी, महानदी के डेल्टा चैनल, ब्राह्मणी नदी और पूर्वी तटीय नहर के साथ ब्राह्मणी नदी का विशेष विस्तार, जिसकी लंबाई 588 किमी है।

कुछ अन्य आंतरिक जलमार्ग भी हैं, जिन पर परिवहन होता है। इनमें मांडवी, जुआरी और कंबरजुआ, सुंदरवन, बराक, केरल का पश्चजल शामिल हैं।

प्रमुख समुद्री पत्तन

भारतीय तटों पर स्थित प्रमुख पत्तनों (Ports) द्वारा देश का 95% विदेशी व्यापार संचालित होता है, जिसमें 68% मुद्रा रूप में होता है। देश की 7516.6 किमी लंबी समुद्री तटरेखा पर लगभग 12 बड़े और 200 मध्यम व छोटे पत्तन स्थित हैं।

कुछ प्रमुख पत्तन का विवरण निम्न प्रकार से है

- **कांडला** स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् देश का विभाजन होने के साथ ही कराची पत्तन के पाकिस्तान में चले जाने के कारण गुजरात के कच्छ प्रांत में कांडला पत्तन को पहले पत्तन के रूप में विकसित किया गया। इसे मुंबई से होने वाले व्यापारिक दबाव को कम करने के लिए विकसित किया गया था। इसे **दीनदयाल पत्तन** के नाम से भी जाना जाता है।

  यह एक **ज्वारीय पत्तन** (Tidal Port) है। यह जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के औद्योगिक तथा खाद्यान्नों के **आयात**[1] -**निर्यात**[2] (Emport-Export) को संचालित करता है।
- **मुंबई** यह देश का सबसे वृहत्तम पत्तन है। मुंबई पत्तन के अत्यधिक दबाव को कम करने हेतु इसके सामने एक और पत्तन विकसित किया गया, जिसका नाम जवाहरलाल नेहरू पत्तन है।
- **मर्मागाओ** गोवा राज्य में स्थित मर्मागाओ पत्तन लौह-अयस्क के निर्यात हेतु देश का महत्त्वपूर्ण पत्तन है। यहाँ से देश के कुल निर्यात का 50% लौह-अयस्क निर्यात किया जाता है।
- **न्यू मंगलौर** कर्नाटक राज्य में स्थित न्यू मंगलौर पत्तन कुद्रेमुख खानों से निकले लौह-अयस्क का निर्यात करने हेतु प्रमुख है।

---

1 **आयात** (Emport) जब कोई सामान किसी एक देश द्वारा दूसरे देश से मँगाया जाता है, तो उसे आयात कहते हैं।

2 **निर्यात** (Export) जब कोई सामान किसी एक देश से दूसरे देश को भेजा जाता है, तो उसे निर्यात कहते हैं।

- **कोच्चि** यह सुदूर दक्षिण-पश्चिम में एक लैगून के मुहाने पर स्थित **प्राकृतिक पोताश्रय** (Natural Harbour) है।
- **तूतीकोरिन** तमिलनाडु राज्य के दक्षिण-पूर्वी छोर पर स्थित तूतीकोरिन पत्तन एक प्राकृतिक पोताश्रय है। यह पत्तन भारत के पड़ोसी देशों; जैसे—श्रीलंका, मालदीव तथा भारत के तटीय क्षेत्रों की भिन्न वस्तुओं के व्यापार को संचालित करता है।
- **चेन्नई** यह एक कृत्रिम बंदरगाह (Artificial Port) है। व्यापार की मात्रा और लदे सामान के संदर्भ में मुंबई के बाद इसका दूसरा स्थान है।
- **विशाखापत्तनम** यह भारत का सबसे गहरा बंदरगाह है। यह पत्तन मुख्यत: लौह-अयस्क के निर्यात हेतु विकसित किया गया था।
- **पारादीप** उड़ीसा में स्थित यह पत्तन मुख्यत: लौह-अयस्क का निर्यात करता है।
- **कोलकाता** पश्चिम बंगाल में स्थित कोलकाता पत्तन एक ज्वारीय व अंत:स्थलीय नदीय पत्तन है। यह पत्तन गंगा-ब्रह्मपुत्र बेसिन की वृहत व समृद्ध पृष्ठभूमि को सेवाएँ प्रदान करता है।
- **हल्दिया** कोलकाता पत्तन पर बढ़ते व्यापार को कम करने हेतु 'हल्दिया' को सहायक पत्तन के रूप में विकसित किया गया है।

वायु परिवहन

- वायु परिवहन तीव्रतम, आरामदायक व प्रतिष्ठित परिवहन का साधन है। इसके द्वारा अति दुर्गम स्थानों; जैसे—ऊँचे पर्वत, मरुस्थलों, घने जंगलों व लंबे समुद्री रास्तों को सुगमता से पार किया जा सकता है। वर्ष 1953 में वायु परिवहन का राष्ट्रीयकरण किया गया। एयर इंडिया घरेलू (Domestic) व अंतर्राष्ट्रीय वायु सेवाएँ प्रदान करती है।
- **पवनहंस हेलीकॉप्टर लिमिटेड** तेल व प्राकृतिक गैस आयोग को इसकी अपतटीय संक्रिया में तथा अगम्य व दुर्लभ भू-भागों; जैसे—उत्तर-पूर्वी राज्यों तथा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड के आंतरिक क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर सेवाएँ उपलब्ध कराता है।

संचार सेवाएँ

संचार, सूचना का आदान-प्रदान करने का एक कार्य है। निजी संचार और जनसंचार में दूरदर्शन, रेडियो, समाचार-पत्र, प्रेस, सिनेमा आदि देश के प्रमुख संचार साधन हैं।

निजी संचार

यह दो लोगों के मध्य संदेश हस्तांतरण या प्रेषण की प्रक्रिया है। मोबाइल फोन व डाक-पत्र निजी संचार के उदाहरण हैं।

भारतीय डाक संचार

- भारत का डाक संचार तंत्र विश्व का वृहत्तम तंत्र है। यह पार्सल, निजी पत्र व्यवहार आदि को संचालित करता है। डाक संचार को प्रथम श्रेणी व द्वितीय श्रेणी में बाँटा जाता है। कार्ड व लिफाफा बंद चिट्ठी **पहली श्रेणी** की डाक समझी जाती है। इन्हें विभिन्न स्थानों पर वायुयान द्वारा पहुँचाया जाता है।
- रजिस्टर्ड पैकेट, किताबें, समाचार-पत्र तथा मैगजीन **द्वितीय श्रेणी** की डाक में आते हैं। इन्हें पहुँचाने के लिए धरातलीय डाक तथा स्थल व जल परिवहन का प्रयोग किया जाता है।

मेल चैनल

बड़े शहरों व नगरों में डाक संचार में तीव्रता हेतु राजधानी मार्ग, मेट्रो चैनल, ग्रीन चैनल, व्यापार चैनल, भारी चैनल व दस्तावेज चैनल मार्ग अपनाए गए हैं।

दूरसंचार नेटवर्क

- दूरसंचार तंत्र में भारत एशिया महाद्वीप में अग्रणी है। टेलीफ़ोनिक संचार को आधार स्तर से उच्च स्तर तक समृद्ध बनाने के लिए सरकार ने देश के प्रत्येक गाँव में सब्सक्राइबर ट्रंक डायलिंग (Subscriber Trunk Dialling, STD) की सुविधा का 24 घंटे विस्तार करने के लिए विशेष प्रावधान किया है। तेजी से व्यक्तिगत संचार सुनिश्चित करने के लिए इसी तरह स्थिर लैंडलाइन और मोबाइल सेवाएँ बेहतर हुई हैं।
- नगरीय क्षेत्रों के अतिरिक्त भारत के दो-तिहाई से अधिक गाँव एसटीडी सेवा से जुड़े हुए हैं।
- पूरे भारत में एसटीडी सुविधा की दरों को नियमित किया है। यह सूचना, संचार व अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के समन्वित विकास से ही संभव हुआ है।

डिजिटल भारत

डिजिटल भारत एक ज्ञान आधारित परिवर्तन के लिए, भारत को तैयार करने के लिए कए विशाल कार्यक्रम है। डिजिटल भारत कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य IT (भारतीय प्रतिभा) + IT (सूचना प्रौद्योगिकी) = IT (कल का भारत) में होने वाले परिवर्तन को समझना है और तकनीक को केन्द्र में रखकर बदलाव लाना है।

जनसंचार

जनसंचार (Mass Communication) लोगों के बड़े समूह को, एक संदेश को हस्तांतरित या प्रसारित करने की प्रक्रिया है, जिसके लिए कुछ प्रकार के मीडिया का उपयोग करना आवश्यक है। यह मनोरंजन प्रदान करता है और विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों और नीतियों के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करता है। इसे रेडियो, टेलीविजन, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, किताबें और फिल्म शामिल हैं।

टेलीविजन और रेडियो

- ऑल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी) राष्ट्रीय, क्षेत्रीय तथा स्थानीय भाषा में देश के विभिन्न भागों में व्यक्तियों के लिए कार्यक्रम प्रसारित करता है।
- **दूरदर्शन भारत का राष्ट्रीय टेलीविजन चैनल** है तथा विश्व के वृहत्तम संचार तंत्र में एक है। यह विभिन्न आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए मनोरंजक, ज्ञानवर्द्धक व खेल संबंधी कार्यक्रम प्रसारित करता है।

3 **प्राकृतिक पोताश्रय** (Natural Harbour) समुद्र के किनारे का वह प्राकृतिक स्थान, जहाँ किसी भी प्रकार की कृत्रिम सुविधाएँ उपलब्ध नहीं होती हैं और जहाज वहाँ पहुँचकर ठहरते तथा माल आदि उतारते-चढ़ाते हैं, प्राकृतिक पोताश्रय कहलाते हैं।

समाचार-पत्र और सामयिक पत्रिकाएँ

संपूर्ण भारत एक वर्ष में अनेक समाचार-पत्र व सामयिक पत्रिकाएँ प्रकाशित की जाती हैं। ये पत्रिकाएँ सामयिक होने के साथ ही अनेक प्रकार की होती हैं। समाचार-पत्र लगभग 100 भाषाओं तथा बोलियों में प्रकाशित किए जाते हैं। भारत में हिंदी भाषा में सर्वाधिक समाचार-पत्र प्रकाशित होते हैं। उसके बाद क्रमशः अंग्रेजी और उर्दू के समाचार-पत्र आते हैं।

चलचित्र

भारत विश्व में सर्वाधिक चलचित्र (Films) उत्पादक के रूप में भी जाना जाता है। यह कम अवधि वाली फिल्में, वीडियो फीचर फिल्म तथा छोटी वीडियो फिल्में बनाता है। भारतीय व विदेशी सभी फिल्मों को प्रमाणित करने का अधिकार 'केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- राज्यों व देशों में व्यक्तियों के मध्य वस्तुओं का आदान-प्रदान **व्यापार** (Trade) कहलाता है। दो देशों के मध्य वस्तुओं का आदान-प्रदान **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार** (International Trade) कहलाता है। **बाजार** (Market) एक ऐसा स्थान है, जहाँ इसका विनिमय (Exchange) होता है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समुद्री, हवाई व स्थलीय मार्गों द्वारा होता है।
- स्थानीय व्यापार शहरों, कस्बों व गाँवों में होता है। राज्यस्तरीय व्यापार दो या दो से अधिक राज्यों के मध्य होता है।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बहुत आवश्यक है और कोई भी देश इसके बिना जीवित नहीं रह सकता है। इसका कारण यह है कि संसाधन पृथ्वी की सतह पर असमान रूप से वितरित किए जाते हैं और कोई भी देश सभी संसाधनों में आत्मनिर्भर नहीं है।

संतुलित व्यापार

- आयात (Import) व निर्यात (Export) व्यापार के घटक हैं। आयात व निर्यात का अंतर ही देश के व्यापार संतुलन (Balance of Trade) को निर्धारित करता है।
- निर्यात मूल्य, आयात मूल्य से अधिक हो, तो उसे **अनुकूलन व्यापार संतुलन** (Favourable Balance of Trade) कहा जाता है।
- यदि निर्यात मूल्य की अपेक्षा आयात मूल्य अधिक हो, तो उसे **असंतुलित व्यापार** (Unfavourable Balance of Trade) कहा जाता है। विश्व के सभी भौगोलिक प्रदेशों तथा सभी व्यापारिक खंडों के साथ भारत के व्यापारिक संबंध हैं।

निर्यात और आयात की जाने वाली वस्तुएँ

- भारत में अन्य देशों से निर्यात होने वाली प्रमुख वस्तुएँ रत्न व जवाहरात, रसायन व संबंधित उत्पाद तथा कृषि व संबंधित उत्पाद हैं।
- भारत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक सॉफ्टवेयर महाशक्ति के रूप में उभरा है तथा सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से अत्यधिक विदेशी मुद्रा अर्जित कर रहा है। भारत में अन्य देशों से आयातित होने वाली वस्तुओं में कच्चा पेट्रोलियम तथा रत्न व जवाहरात, आधार वस्तुएँ, मशीनें, कृषि व अन्य उत्पाद शामिल हैं।

पर्यटन : एक व्यापार के रूप में

- पिछले तीन दशकों में भारत में पर्यटन उद्योग में महत्त्वपूर्ण वृद्धि हुई है। भारत में 150 लाख से अधिक व्यक्ति पर्यटन उद्योग में प्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त कर रहे हैं।
- यह उद्योग राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करता है तथा स्थानीय हस्तकला व सांस्कृतिक उद्यमों को प्रश्रय देता है।
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह हमें संस्कृति तथा विरासत की समझ विकसित करने में सहायक है।
- विदेशी पर्यटक भारत में विरासत पर्यटन, पारि-पर्यटन (Eco-tourism), रोमांचकारी पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, चिकित्सा पर्यटन तथा व्यापारिक पर्यटन के लिए आते हैं।

---

4 **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार** (International Trade) दो देशों के मध्य वस्तुओं एवं सेवाओं का उचित बाजार के माध्यम से विनिमय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कहलाता है।

चैप्टर प्रैक्टिस

भाग 1

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

• बहुविकल्पीय

1. निम्न में से कौन-सा परिवहन साधन भारत में प्रमुख साधन है? **(NCERT)**

(a) पाइपलाइन (b) सड़क परिवहन
(c) रेल परिवहन (d) वायु परिवहन

उत्तर (b) सड़क परिवहन भारत में प्रमुख साधन है। भारत में सड़कों की लंबाई 56 लाख किमी है।

2. निम्न में से किसका प्रमुख उद्देश्य भारत के मेगासिटी के मध्य परिवहन दूरी व समय को कम करना है?

(a) राष्ट्रीय राजमार्ग (b) राज्य राजमार्ग
(c) सीमावर्ती सड़कें (d) स्वर्णिम चतुर्भुज महाराजमार्ग

उत्तर (d) स्वर्णिम चतुर्भुज महाराजमार्ग का उद्देश्य भारत के मेगासिटी के मध्य परिवहन दूरी व समय को कम करना है। यह परियोजना भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत है।

3. निम्न में से कौन-से दो दूरस्थ स्थान पूर्वी-पश्चिमी गलियारे से जुड़े हैं? **(NCERT)**

(a) मुंबई तथा नागपुर (b) मुंबई तथा कोलकाता
(c) सिलचर तथा पोरबंदर (d) नागपुर तथा सिलिगुड़ी

उत्तर (c) सिलचर तथा पोरबंदर दूरस्थ स्थान पूर्वी-पश्चिमी गलियारे से जुड़े हुए हैं। यह गलियारा स्वर्णिम चतुर्भुज महाराजमार्ग परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित है।

4. निम्न में से कौन-सा राष्ट्रीय राजमार्ग ऐतिहासिक राजमार्ग है, जिसे शेरशाह सूरी मार्ग के नाम से भी जाना जाता है?

(a) राष्ट्रीय राजमार्ग-1 (b) राष्ट्रीय राजमार्ग-2
(c) राष्ट्रीय राजमार्ग-6 (d) राष्ट्रीय राजमार्ग-8

उत्तर (a) राष्ट्रीय राजमार्ग-1 को शेरशाह सूरी मार्ग के नाम से भी जाना जाता है। यह राजमार्ग दिल्ली और अमृतसर को जोड़ता है।

5. निम्न में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

	राजमार्ग	संबंधित राज्य
(a)	राजमार्ग-2	आगरा-कलकत्ता
(b)	राजमार्ग-3	आगरा-मुंबई
(c)	राजमार्ग-4	मुंबई-कन्याकुमारी
(d)	राजमार्ग-6	आगरा-कोलकाता

उत्तर (c) भारतीय राजमार्ग-4 मुंबई से चेन्नई तक विस्तृत है। इसकी लंबाई 1,235 किमी है।

6. निम्न कथनों का अध्ययन कर सही उत्तर का चुनाव करें

- यह देश का प्राथमिक सड़क तंत्र है।
- इसका रखरखाव केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाता है।
- यह दूरस्थ भागों को आपस में जोड़ने का कार्य करता है।

(a) स्वर्णिम चतुर्भुज महाराजमार्ग
(b) राष्ट्रीय राजमार्ग
(c) राज्य राजमार्ग
(d) जिला सड़कें

उत्तर (b) राष्ट्रीय राजमार्ग

7. भारत का कौन-सा सार्वजनिक क्षेत्र सबसे बड़ा प्राधिकरण भी है?

(a) भारतीय दूरसंचार निगम
(b) भारतीय रेल
(c) भारतीय कोल निगम
(d) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया

उत्तर (b) भारतीय रेल सार्वजनिक क्षेत्र का सबसे बड़ा प्राधिकरण है। भारतीय रेल परिवहन को 16 जोनों में विभाजित किया गया है। रेल परिवहन व्यक्तियों को अनेक प्रकार की गतिविधियाँ प्रदान करता है।

8. निम्नलिखित में से परिवहन का कौन-सा साधन वहनांतरण हानियों तथा देरी को घटाता है? **(NCERT)**

(a) रेल परिवहन
(b) पाइपलाइन
(c) सड़क परिवहन
(d) जल परिवहन

उत्तर (b) पाइपलाइन वहनांतरण हानियों तथा देरी को घटाता है। इसका प्रयोग कच्चा तेल, पेट्रोल उत्पाद व प्राकृतिक गैस तथा ठोस पदार्थों को तरल अवस्था में परिवर्तित करके ले जाने के लिए किया जाता है।

9. निम्न में कौन-सा राज्य हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर पाइपलाइन से नहीं जुड़ा है? **(NCERT)**

(a) मध्य प्रदेश (b) महाराष्ट्र
(c) गुजरात (d) उत्तर प्रदेश

उत्तर (b) महाराष्ट्र राज्य हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर पाइपलाइन से नहीं जुड़ा है। यह मध्य प्रदेश के विजयपुर से निकलता है। इसकी शाखाएँ राजस्थान में कोटा तथा उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर, बबराला व अन्य स्थानों पर हैं।

10. **भारत की समुद्री तट रेखा के साथ 12 प्रमुख तथा 200 .... संलग्न हैं।**

(a) मध्यम पत्तन (b) छोटे पत्तन
(c) 'a' और 'b' दोनों (d) निजी पत्तन

उत्तर (c) भारत की समुद्री तट रेखा के साथ 12 प्रमुख तथा 200 मध्यम व छोटे पत्तन संलग्न हैं। भारत की समुद्री तट रेखा 7,516.6 किमी लंबी है।

11. **इनमें से कौन-सा पत्तन पूर्वी तट पर स्थित है, जो अंत:स्थलीय तथा अधिकतम गहराई का पत्तन है तथा पूर्ण सुरक्षित है?** **(NCERT)**

(a) चेन्नई (b) पारादीप
(c) तूतीकोरिन (d) विशाखापट्टनम

उत्तर (d) विशाखापट्टनम पत्तन पूर्वी तट पर स्थित है, जो अंतः स्थलीय तथा अधिकतम गहराई का पत्तन है। यह पत्तन मुख्यतः लौह-अयस्क के निर्यात हेतु विकसित किया गया था।

12. **भारत में वायु परिवहन का राष्ट्रीयकरण .... में किया गया था।**

(a) वर्ष 1952 (b) वर्ष 1953
(c) वर्ष 1954 (d) वर्ष 1955

उत्तर (b) भारत में वायु परिवहन का राष्ट्रीयकरण वर्ष 1953 में किया गया था। भारत की राष्ट्रीयकृत कंपनियाँ घरेलू व अंतर्राष्ट्रीय वायु सेवाएँ प्रदान करती हैं।

13. **निम्न में से कौन-सा शब्द दो या अधिक देशों के व्यापार को दर्शाता है?** **(NCERT)**

(a) आंतरिक व्यापार (b) बाहरी व्यापार
(c) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (d) स्थानीय व्यापार

उत्तर (c) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार दो या अधिक देशों के व्यापार को दर्शाता है। यह व्यापार समुद्री, हवाई व स्थलीय मार्गों द्वारा होता है।

14. **सुमेलित करें**

सूची I (गलियारा)	सूची II (अवस्थिति)
A. उत्तरी	1. कन्याकुमारी
B. दक्षिणी	2. श्रीनगर
C. पूर्वी	3. सिलचर
D पश्चिमी	4. पोरबंदर

कूट

	A	B	C	D
(a)	4	1	2	3
(b)	2	1	3	4
(c)	2	1	4	3
(d)	1	2	3	4

उत्तर (b) 2 1 3 4

15. **निम्नलिखित कथनों का अध्ययन कर सही कूट का चयन करें**

1. आयात व निर्यात का अंतर ही देश के व्यापार क्षेत्र को निर्धारित करता है।
2. भारत रत्न व जवाहरात रसायन आदि को निर्यात करता है।
3. भारत कच्चा पेट्रोलियम को आयात करता है।

कूट

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर (d) 1, 2 और 3

● कथन-कारण प्रश्न

निर्देश (प्र. सं. 16-20) नीचे दो कथन दिए गए हैं। एक कथन (A) और दूसरा कारण (R) है। दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन करें

कूट

(a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, किंतु R गलत है
(d) A गलत है, किंतु R सही है

16. **कथन** (A) **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क परियोजना के अंतर्गत गाँवों में पक्की सड़कों का निर्माण किया गया।**

कारण (R) **इससे गाँव की सड़कों का जुड़ाव पक्की सड़कों से किया गया, जिस पर वर्षभर वाहन चल सकें।**

उत्तर (a) वर्ष 2000 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क परियोजना के अंतर्गत गाँवों में पक्की सड़कों का निर्माण किया गया। इस परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक गाँव को प्रमुख शहरों से पक्की सड़कों द्वारा जोड़ना प्रस्तावित है। अतः A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

17. **कथन** (A) **भारत में रेल परिवहन वस्तुओं तथा यात्रियों के परिवहन का प्रमुख साधन है।**

कारण (R) **भारत में पहली रेल कलकत्ता में चलाई गई थी।**

उत्तर (c) भारत में रेल परिवहन वस्तुओं तथा यात्रियों के परिवहन का प्रमुख साधन है। भारत में पहली रेलगाड़ी 1853 ई. में मुंबई और थाणे के मध्य चलाई गई थी। अतः A सही है, किंतु R गलत है।

18. **कथन** (A) **जल परिवहन, परिवहन का सबसे सस्ता साधन है।**

कारण (R) **यह परिवहन साधनों में ऊर्जा सक्षम तथा पर्यावरण अनुकूल है।**

उत्तर (a) जल परिवहन, परिवहन का सबसे सस्ता साधन है। यह भारी और स्थूल वस्तुओं के संचालन हेतु अनुकूल होता है। यह परिवहन साधनों में ऊर्जा सक्षम तथा पर्यावरण अनुकूल है। अतः A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

19. **कथन** (A) **उड़ीसा में स्थित पारादीप बंदरगाह मुख्यतः लौह-अयस्क का निर्यात करता है।**

कारण (R) **पारादीप बंदरगाह एक ज्वारीय बंदरगाह है।**

उत्तर (c) उड़ीसा में स्थित पारादीप बंदरगाह मुख्यतः लौह-अयस्क का निर्यात करता है। यह एक ज्वारीय बंदरगाह नहीं है। ज्वारीय बंदरगाह का प्रमुख उदाहरण कांडला बंदरगाह है। अतः A सही है, किंतु R गलत है।

20. **कथन** (A) **किसी भी देश के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बहुत आवश्यक है।**

कारण (R) **संसाधन पृथ्वी की सतह पर असमान रूप से वितरित हैं।**

उत्तर (a) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रत्येक देश के लिए आवश्यक है। कोई भी देश इसके बिना जीवित नहीं रह सकता है। इसका प्रमुख कारण संसाधनों का पृथ्वी पर एक समान वितरित न होना है। अतः A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

केस स्टडी आधारित प्रश्न

निम्नलिखित स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

भारत के लोग प्राचीनकाल से समुद्री यात्राएँ करते रहे हैं। इसके नाविकों ने दूर तथा पास के क्षेत्रों में भारतीय संस्कृति व व्यापार को फैलाया है। जल परिवहन, परिवहन का सबसे सस्ता साधन है। यह भारी व स्थूलकाय वस्तुएँ ढोने में अनुकूल है। यह परिवहन साधनों में ऊर्जा सक्षम तथा पर्यावरण अनुकूल है। भारत में अंत:स्थलीय नौसंचालन जलमार्ग 14,500 किमी लंबा है। इसमें केवल 5,685 किमी मार्ग ही मशीनीकृत नौकाओं द्वारा तय किया जाता है। भारत की 7,516.6 किमी लंबी समुद्री तट रेखा के साथ 12 प्रमुख तथा 200 मध्यम व छोटे पत्तन हैं। ये प्रमुख पत्तन देश का 95% विदेशी व्यापार संचालित करते हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कच्छ में कांडला पत्तन पहले पत्तन के रूप में विकसित किया गया। ऐसा देश विभाजन से कराची पत्तन की कमी को पूरा करने तथा मुंबई से होने वाले व्यापारिक दबाव को कम करने के लिए था।

कांडला, जिसे दीनदयाल पत्तन के नाम से भी जाना जाता है, एक ज्वारीय पत्तन है। यह जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के औद्योगिक तथा खाद्यान्नों के आयात-निर्यात को संचालित करता है। मुंबई वृहत्तम पत्तन है, जिसके प्राकृतिक खुले, विस्तृत व सुचारु पोताश्रय हैं। मुंबई पत्तन के अधिक परिवहन को ध्यान में रखकर इसके सामने जवाहरलाल नेहरू पत्तन विकसित किया गया, जो इस पूरे क्षेत्र को एक समूह में स्थापित करता है।

(i) **स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् कांडला बंदरगाह को विकसित करने का मूल उद्देश्य क्या था?**
(a) भारत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बढ़ने के कारण
(b) विभाजन के बाद कराची बंदरगाह का पाकिस्तान के हिस्से में चले जाने के कारण
(c) पश्चिमी तट पर बंदरगाहों की संख्या कम हो जाने के कारण
(d) उपरोक्त सभी

उत्तर (d) उपरोक्त सभी

(ii) **ज्वारीय बंदरगाह पश्चिमी तट पर ही क्यों विकसित है?**
(a) पश्चिमी तट अधिक कटा-छँटा है
(b) पश्चिमी तट के सहारे ज्वार अधिक आते हैं
(c) यह बंदरगाह कच्छ की खाड़ी में स्थित है, जहाँ ज्वार आने के समय जलापूर्ति अधिक हो जाती है
(d) पश्चिमी तट सूर्य एवं चंद्रमा के प्रभाव से सबसे अधिक प्रभावित होता है

उत्तर (a) ज्वारीय बंदरगाह पश्चिमी तट पर विकसित होने का प्रमुख कारण पश्चिमी तट का अधिक कटा-छँटा होना है। कांडला एक प्रसिद्ध ज्वारीय बंदरगाह है।

(iii) **न्यू मंगलौर बंदरगाह को लौह-अयस्क पत्तन भी कहा जाता है, क्योंकि**
(a) यहाँ लौह-अयस्क के पर्याप्त भंडार उपलब्ध हैं
(b) यहाँ से लौह-अयस्क का निर्यात किया जाता है
(c) यह भारत का एकमात्र ऐसा पत्तन है, जहाँ से लौह-अयस्क का निर्यात होता है
(d) यहाँ से पर्याप्त मात्रा में लौह-अयस्क का आयात किया जाता है

उत्तर (b) न्यू मंगलौर पत्तन कुद्रेमुख खानों से निकलते लौह-अयस्क का निर्यात करने हेतु प्रमुख है, जिस कारण इसे लौह-अयस्क पत्तन भी कहा जाता है।

(iv) **जवाहरलाल नेहरू पत्तन का निर्माण किन उद्देश्यों को ध्यान में रखकर किया गया?**
(a) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से
(b) मुंबई बंदरगाह पर दबाव कम करने के उद्देश्य से
(c) दक्षिण-पश्चिम एशियाई देशों के साथ व्यापारिक संबंधों को जोड़ने के लिए
(d) उपरोक्त सभी

उत्तर (b) जवाहरलाल नेहरू पत्तन का निर्माण मुंबई बंदरगाह के अत्यधिक दबाव को कम करने हेतु किया गया है। वर्तमान में यह भारत का प्रमुख बंदरगाह भी है।

(v) **निम्नलिखित में से कौन-सा एक राष्ट्रीय जलमार्ग नहीं है?**
(a) हल्दिया तथा इलाहाबाद (b) सदिया तथा धुबरी
(c) सुंदरवन तथा बराक (d) काकीनाडा तथा पुदुचेरी

उत्तर (c) सुंदरवन तथा बराक

(vi) **कथन** (A) **भारत का समुद्री व्यापार प्राचीनकाल से ही विद्यमान है।**
कारण (R) **प्राचीनकाल से ही जल परिवहन पर्यावरण के अनुकूल रहा है।**

कूट
(a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, किंतु R गलत है
(d) A गलत, किंतु R सही है

उत्तर (b) भारत के लोग प्राचीनकाल से ही समुद्री व्यापार करते रहे हैं। यहाँ के नाविकों ने व्यापार के साथ-साथ भारतीय संस्कृति को भी विस्तृत किया है। जल परिवहन, परिवहन का सबसे सस्ता साधन है। यह ऊर्जा सक्षम व पर्यावरण के अनुकूल है। अतः A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।

भाग 2

वर्णनात्मक प्रश्न

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. जिला सड़कें एवं सीमावर्ती सड़कों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर **जिला सड़कें** ये सड़कें जिले के विभिन्न प्रशासनिक केंद्रों को जिला मुख्यालय से जोड़ती हैं। इन सड़कों की व्यवस्था का उत्तरदायित्व जिला परिषद् का होता है।

सीमावर्ती सड़कें या सीमांत सड़कें देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण एवं प्रबंधन सीमा सड़क संगठन द्वारा किया जाता है। इस संगठन की स्थापना वर्ष 1960 में हुई थी। इस संगठन का उद्देश्य उत्तर तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में सामरिक महत्त्व की सड़कों का विकास करना है। इन सड़कों का विकास होने से दुर्गम क्षेत्रों में अभिगम्यता में वृद्धि हुई है और ये इन क्षेत्रों के आर्थिक विकास में भी सहायक हुई है।

2. रेल परिवहन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (CBSE 2019)

उत्तर भारत में रेल परिवहन वस्तुओं तथा यात्रियों के परिवहन का प्रमुख साधन है। यह भारी वजन उठाने और लंबी दूरी के लिए उत्कृष्ट है। भारतीय रेल परिवहन की मार्गीय लंबाई 68,442 किमी है। रेल परिवहन लोगों को अनेक प्रकार की गतिविधियाँ प्रदान करता है; जैसे—व्यापार, भ्रमण, तीर्थ यात्राएँ व लंबी दूरी तक सामान का परिवहन आदि। भारतीय रेल परिवहन को 16 जोनों में विभाजित किया गया है। इसके तीन गेज हैं—बड़ी गेज, मीटर गेज एवं छोटी गेज।

भारतीय रेल परिवहन देश का सर्वाधिक बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का प्राधिकरण है। देश की पहली रेलगाड़ी 1853 ई. में मुंबई और थाणे के मध्य चलाई गई, जो 34 किमी की दूरी तय करती थी।

3. परिवहन के साधन के रूप में रेलवे की किन्हीं पाँच विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (CBSE 2019)

उत्तर परिवहन के साधन के रूप में रेल परिवहन की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं

(i) भारत में रेल परिवहन, वस्तुओं तथा यात्रियों के परिवहन का मुख्य साधन है।

(ii) रेल परिवहन के द्वारा व्यापार, भ्रमण, लंबी दूरी तक सामान का परिवहन एवं तीर्थ यात्राएँ आदि कार्य किए जाते हैं।

(iii) भारतीय रेल देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग एवं कृषि के तीव्र गति से विकास के लिए उत्तरदायी है।

(iv) भारतीय रेलवे का एक बहुत बड़ा नेटवर्क है जिसने लगभग देश के हर कोने में अपनी पहुँच बना रखी है।

(v) भारतीय रेलवे देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक उपक्रम है, जिससे यह भारत का सबसे बड़ा रोजगार सृजक (नियोक्ता) है।

4. रेल परिवहन के वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों को बताइए।

अथवा **भारत में रेल परिवहन समस्याओं से मुक्त नहीं है। उदाहरणों सहित इस कथन की पुष्टि करें। (CBSE 2020)**

अथवा **भारतीय रेल जाल के वितरण प्रतिरूप को प्रभावित करने वाले भू–आकृतिक और आर्थिक कारकों का वर्णन करें। (CBSE 2020)**

उत्तर भारत में रेल परिवहन के वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों में मुख्यतः भू-आकृतिक पृष्ठभूमि, आर्थिक क्षेत्र व प्रशासकीय कारक प्रमुख हैं। असंख्य नदियों के विस्तृत जलमार्गों पर पुलों के निर्माण में बाधाएँ दृष्टिगोचर होती हैं। प्रायद्वीप भारत में, रेलमार्ग ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी क्षेत्रों, छोटी पहाड़ियों और सुरंगों आदि से होकर जाता है।

हिमालय पर्वतीय क्षेत्र भी दुर्लभ उच्चावच, विरल जनसंख्या तथा आर्थिक अवसरों की कमी के कारण रेलवे लाइन के निर्माण में प्रतिकूल परिस्थितियाँ उत्पन्न करता है। इस प्रकार, पश्चिमी राजस्थान, गुजरात के दलदली भाग, मध्य प्रदेश के वन क्षेत्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा व झारखंड में रेल निर्माण करना कठिन है। सह्याद्रि तथा उससे सटे क्षेत्रों को भी घाट या दर्रों द्वारा ही पार कर पाना संभव है। कुछ वर्ष पहले, भारत के महत्त्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र में पश्चिमी तट के साथ कोंकण रेलवे के विकास ने यात्री व वस्तुओं के आवागमन को सुविधाजनक बनाया है। यद्यपि यहाँ असंख्य समस्याएँ भी हैं; जैसे—भूस्खलन तथा किसी-किसी भाग में रेलवे ट्रैक का धँसना आदि।

5. तूतीकोरिन, चेन्नई एवं पारादीप पत्तनों के विषय में व्याख्या कीजिए।

उत्तर **तूतीकोरिन** तमिलनाडु राज्य के दक्षिण-पूर्वी छोर पर स्थित तूतीकोरिन पत्तन एक प्राकृतिक पोताश्रय है। यह पत्तन भारत के पड़ोसी देशों; जैसे—श्रीलंका, मालदीव तथा भारत के तटीय क्षेत्रों की भिन्न वस्तुओं के व्यापार को संचालित करता है।

चेन्नई तमिलनाडु राज्य में स्थित चेन्नई बंदरगाह भारत का सबसे प्राचीन बंदरगाह है। यह एक कृत्रिम बंदरगाह है। व्यापार की मात्रा और लदे सामान के संदर्भ में मुंबई के बाद इसका दूसरा स्थान है।

पारादीप उड़ीसा में स्थित यह पत्तन मुख्यतः लौह-अयस्क का निर्यात करता है।

6. वायु परिवहन पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

उत्तर वायु परिवहन तीव्रतम, आरामदायक व प्रतिष्ठित परिवहन का साधन है। इसके द्वारा अति दुर्गम स्थानों; जैसे—ऊँचे पर्वत, मरुस्थलों, घने जंगलों व लंबे समुद्री रास्तों को सुगमता से पार किया जा सकता है। वर्ष 1953 में वायु परिवहन का राष्ट्रीयकरण किया गया। एयर इंडिया घरेलू व अंतर्राष्ट्रीय वायु सेवाएँ प्रदान करती है। पवनहंस हेलीकॉप्टर लिमिटेड तेल व प्राकृतिक गैस आयोग को इसकी अपतटीय संक्रिया में तथा अगम्य व दुर्लभ भू-भागों; जैसे—उत्तर-पूर्वी राज्यों तथा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड के आंतरिक क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर सेवाएँ उपलब्ध कराता है।

7. डाक संचार को कितनी श्रेणी में बाँटा गया है? बताइए।

उत्तर डाक संचार को प्रथम श्रेणी व द्वितीय श्रेणी में बाँटा जाता है

(i) **प्रथम श्रेणी** कार्ड व लिफाफा बंद चिट्ठी, पहली श्रेणी की डाक समझी जाती है। इन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने के लिए वायुयान का प्रयोग किया जाता है।

(ii) **द्वितीय श्रेणी** रजिस्टर्ड पैकेट, किताबें, समाचार-पत्र तथा मैगजीन द्वितीय श्रेणी की डाक में आते हैं। इन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने के लिए धरातलीय डाक तथा स्थल व जल परिवहन का प्रयोग किया जाता है।

8. हमारे देश में जनसंचार के प्रभावी साधनों के रूप में 'रेडियो' तथा 'टेलीविजन' के महत्त्व का उल्लेख कीजिए।

उत्तर हमारे देश में जनसंचार के प्रभावी साधनों के रूप में 'रेडियो' तथा 'टेलीविजन' का महत्त्व निम्न प्रकार है

- रेडियो के माध्यम से किसानों के लिए अनेक कार्यक्रम, जिसमें कृषि से संबंधित अनेक तथ्य आदि का प्रसारण होता है, जो किसानों में कृषि के प्रति नवीन प्रौद्योगिकी के माध्यम को उनके बीच पहुँचाता है तथा इन्हें जागरूक करने का प्रयास करता है।
- टेलीविजन देश-विदेश की खबरें, स्वास्थ्य संबंधी सलाह व अनेक मनोरंजक कार्यक्रमों का प्रसारण, लोगों को मनोरंजन प्रदान करने के साथ-साथ जनचेतना का विकास भी करता है।

अतः जनसंचार लोगों को मनोरंजन प्रदान करने तथा जागरूकता उत्पन्न करने का माध्यम है।

9. व्यापार से आप क्या समझते हैं? स्थानीय व अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अंतर स्पष्ट कीजिए। **(NCERT)**

उत्तर व्यक्तियों, क्षेत्रों तथा दो या दो से अधिक देशों के मध्य वस्तुओं और सेवाओं का आदान-प्रदान व्यापार कहलाता है।

स्थानीय व अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अंतर निम्न प्रकार है

स्थानीय व्यापार	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
एक देश के गाँवों, शहरों, नगरों व राज्यों के बीच होने वाले व्यापार को स्थानीय व्यापार कहते हैं।	दो या अधिक देशों के बीच होने वाले व्यापार को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कहते हैं।
स्थानीय व्यापार में राष्ट्रीय मुद्रा का विनिमय होता है।	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में विदेशी मुद्रा का विनिमय होता है।

10. ''अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को देश का आर्थिक बैरोमीटर माना जाता है।'' इस कथन का समर्थन करते हुए तर्क दीजिए। **(CBSE 2020, 18)**

उत्तर ''अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को देश का आर्थिक बैरोमीटर माना जाता है।'' इस कथन को निम्नलिखित तर्क के माध्यम से उचित ठहराया जा सकता है

- सभी देश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर निर्भर करते हैं, क्योंकि संसाधन पृथ्वी की सतह पर असमान रूप से वितरित होते हैं। अतः कोई भी देश सभी संसाधनों में आत्मनिर्भर नहीं हो सकता।
- विदेशी व्यापार ने भारत को विनिर्माण वस्तुओं की उत्पादकता सुधारने में मदद की है। भारत के आर्थिक विकास में भी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का योगदान रहा है। इससे लोगों की आय का स्तर बढ़ा है।
- हाल के वर्षों में सूचना और ज्ञान के आदान-प्रदान से राज्यों और देशों के माल के अधिक से अधिक आदान-प्रदान में लाभ हुआ है।
- भारत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक सॉफ्टेयर महाशक्ति के रूप में उभरा है तथा सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से अत्यधिक विदेशी मुद्रा अर्जित कर रहा है।

11. भारत में पर्यटन के किन्हीं पाँच लाभों का वर्णन कीजिए। **(CBSE 2019)**

उत्तर पिछले कुछ वर्षों में भारत के पर्यटन उद्योग में महत्त्वपूर्ण वृद्धि हुई है, जिसके द्वारा भारत को होने वाले पाँच लाभ निम्नलिखित हैं

(i) पर्यटन देश में रोजगार को बढ़ाता है। वर्तमान में अधिक संख्या में व्यक्ति पर्यटन उद्योग में प्रत्यक्ष रूप से संलग्न हैं।

(ii) पर्यटन राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करता है।

(iii) पर्यटन स्थानीय हस्तकला व सांस्कृतिक उद्यमों को प्रश्रय देता है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन होता है।

(iv) पर्यटन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमें सांस्कृतिक तथा विरासत की समझ विकसित करने में सहायक है।

(v) देश के विभिन्न भागों में पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं। पर्यटन उद्योग के विकास हेतु विभिन्न प्रकार के पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे देश को लाभ हो सके।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. परिवहन तथा संचार के साधन किसी देश की जीवनरेखा तथा अर्थव्यवस्था क्यों कहे जाते हैं? **(NCERT)**

उत्तर प्राचीन समय में व्यापार तथा परिवहन सुविधा एक सीमित क्षेत्र तक ही संचालित की जाती थी, किंतु विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विकास के साथ व्यापार व परिवहन के प्रभाव क्षेत्र में आशातीत वृद्धि हुई है।

परिवहन का यह विकास संचार साधनों के विकास से संभव हो सका है। इसलिए परिवहन व संचार एक-दूसरे के पूरक हैं।

आज भारत अपने विशाल आकार, विविधताओं, भाषायी तथा सामाजिक व सांस्कृतिक बहुलताओं के बावजूद संसार के सभी क्षेत्रों से सुचारु रूप से जुड़ा हुआ है। रेल, वायु एवं जल परिवहन, समाचार-पत्र, रेडियो, दूरदर्शन, सिनेमा तथा इंटरनेट आदि इसके सामाजिक-आर्थिक विकास में अनेक प्रकार से सहायक हैं।

स्थानिक से अंतर्राष्ट्रीय स्तरीय व्यापार ने अर्थव्यवस्था को जीवन शक्ति प्रदान की है। इसने हमारे जीवन को समृद्ध किया है तथा आरामदायक जीवन के लिए सुविधाओं व साधनों में बढ़ोतरी की है। आधुनिक संचार तथा परिवहन के साधन हमारे देश और इसकी आधुनिक अर्थव्यवस्था को संचालित करते हैं।

अतः यह स्पष्ट है कि सघन व सक्षम परिवहन का जाल तथा संचार के साधन किसी देश की अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा होते हैं।

2. रेल परिवहन की अपेक्षा सड़क परिवहन की महत्ता अधिक है। इस कथन की उदाहरणों सहित पुष्टि कीजिए। **(CBSE 2020)**

अथवा **''भारत में सड़क परिवहन, रेल परिवहन की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक है।'' कथन की उदाहरणों सहित पुष्टि कीजिए।** **(CBSE 2020)**

अथवा **परिवहन के साधन के रूप में सड़क परिवहन के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।** **(CBSE 2020)**

उत्तर भारत विश्व के उन देशों में शामिल है, जहाँ सड़कों का जाल सर्वाधिक है। भारत में सड़कों का जाल लगभग 56 लाख किमी है। भारत में सड़क परिवहन का विकास रेल परिवहन से भी पहले हुआ है अर्थात् निर्माण एवं रख-रखाव व व्यवस्था के अनुरूप सड़क परिवहन, रेल परिवहन की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक है।

भारत में सड़क परिवहन की बढ़ती महत्ता निम्न कारणों से है

- रेलवे लाइन की अपेक्षा सड़कों की निर्माण लागत बहुत कम है।
- सड़कों को ऊबड़-खाबड़ व विच्छिन्न भागों में भी बनाया जा सकता है।
- अधिक ढाल प्रवणता तथा पहाड़ी क्षेत्रों में भी सड़कें निर्मित की जा सकती हैं; जैसे–हिमालय।
- कम व्यक्तियों, कम दूरी व कम वस्तुओं के परिवहन में सड़क मितव्ययी है।
- यह घर-घर सेवाएँ उपलब्ध करवाती है तथा सामान चढ़ाने व उतारने की लागत भी अपेक्षाकृत कम है।
- सड़क परिवहन, अन्य परिवहन साधनों के उपयोग में एक कड़ी के रूप में भी कार्य करता है; जैसे–सड़कें रेलवे स्टेशन, वायु व समुद्री पत्तनों को जोड़ती हैं।

अतः भारत में सड़क परिवहन, रेल परिवहन की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक है।

3. क्षमता के आधार पर सड़कों का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए। **(CBSE 2015)**

उत्तर भारत में सड़कों की क्षमता के आधार पर इन्हें छः वर्गों में वर्गीकृत किया गया है

(i) **स्वर्णिम चतुर्भुज महाराजमार्ग** यह राजमार्ग परियोजना भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में है। भारत सरकार ने दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई व मुंबई को जोड़ने वाली 6 लाइन वाली महाराजमार्गों की योजना प्रारंभ की। इस महाराजमार्ग का प्रमुख उद्देश्य भारत के मेगासिटी के मध्य परिवहन दूरी व समय को कम करना है।

(ii) **राष्ट्रीय राजमार्ग** राष्ट्रीय राजमार्ग देश के दूरस्थ भागों को आपस में जोड़ते हैं। यह देश का प्राथमिक सड़क तंत्र है। इसके निर्माण एवं रख-रखाव की जिम्मेदारी भारत सरकार की है। इनका नियंत्रण केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाता है।

(iii) **राज्य राजमार्ग** राज्यों की राजधानियों को जिला मुख्यालयों से जोड़ने वाली सड़कें, राज्य राजमार्ग कहलाती हैं। राज्यों एवं केंद्रशासित क्षेत्रों में इन सड़कों के निर्माण एवं रख-रखाव की जिम्मेदारी राज्य सरकार के अधीन राज्य के सार्वजनिक निर्माण विभाग की होती है।

(iv) **जिला सड़क** ये सड़कें जिले के विभिन्न प्रशासनिक केंद्रों को जिला मुख्यालय से जोड़ती हैं। इन सड़कों की व्यवस्था का उत्तरदायित्व जिला परिषद् का होता है।

(v) **अन्य सड़कें** इसके अंतर्गत वे सड़कें आती हैं, जो गाँवों को शहरों से जोड़ती हैं। इनका निर्माण 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना' के अंतर्गत किया जाता है।

(vi) **सीमावर्ती सड़कें या सीमांत सड़कें** सीमावर्ती सड़कों का निर्माण एवं प्रबंधन सीमा सड़क विकास बोर्ड द्वारा किया जाता है। सीमा सड़क संगठन की स्थापना वर्ष 1960 में हुई थी। इनकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य उत्तर-पूर्वी राज्यों में सामरिक महत्त्व हेतु सड़कों का विकास करना था।

4. भारत में पाइपलाइन की बढ़ती उपयोगिता के साथ देश में इसके वितरण क्षेत्र को बताइए। **(CBSE 2016)**

उत्तर आधुनिक समय में परिवहन के साधनों में पाइपलाइन की महत्ता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। पहले पाइपलाइन का उपयोग शहरों एवं उद्योगों में पानी पहुँचाने के लिए होता था, परंतु आधुनिक परिदृश्य में इसकी उपयोगिता और बढ़ गई है; जैसे—

- इसका प्रयोग कच्चा तेल, पेट्रोल उत्पाद तथा तेल से प्राप्त प्राकृतिक तथा गैस क्षेत्र से उपलब्ध गैस शोधनशालाओं, उर्वरक कारखानों व बड़े ताप विद्युत गृहों तक पहुँचाने में किया जाता है।
- ठोस पदार्थों को तरल अवस्था में परिवर्तित कर पाइपलाइनों के माध्यम से गंतव्य स्थान तक पहुँचाया जाता है।
- सुदूर आंतरिक भागों में स्थित शोधनशालाएँ; जैसे—बरौनी, मथुरा, पानीपत तथा गैस पर आधारित उर्वरक कारखानों की स्थापना पाइपलाइनों के कारण ही संभव हो पाई है।
- पाइपलाइन बिछाने की प्रारंभिक लागत अधिक है, लेकिन इसको चलाने की लागत न्यूनतम है। सामानों के परिवहन में देरी तथा हानियाँ इसमें बहुत कम होती हैं।

भारत में पाइपलाइन परिवहन का वितरण निम्न प्रकार है

- ऊपरी असम के तेल क्षेत्रों से गुवाहाटी, बरौनी (बेगूसराय 'बिहार') व इलाहाबाद के रास्ते कानपुर (उत्तर प्रदेश) तक। इसकी एक शाखा बरौनी से राजबंध होकर हल्दिया तक, दूसरी शाखा राजबंध से मौरी ग्राम तक तथा तीसरी शाखा गुवाहाटी से सिलिगुड़ी तक है।
- गुजरात में सलाया से वीरमगाँव, मथुरा, दिल्ली व सोनीपत (हरियाणा) के रास्ते पंजाब में जालंधर तक। इसकी अन्य शाखा वडोदरा के निकट कोयली को चक्शु व अन्य स्थानों से जोड़ती है।
- गैस पाइपलाइन गुजरात में हजीरा को उत्तर प्रदेश में जगदीशपुर से मिलाती है। यह मध्य प्रदेश के विजयपुर के रास्ते होकर जाती है। इसकी शाखाएँ राजस्थान में कोटा तथा उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर, बबराला व अन्य स्थानों पर हैं।

5. भारत में विभिन्न जनसंचार साधनों पर विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिए। **(CBSE 2016)**

उत्तर जनसंचार के साधनों से मानव मनोरंजन के साथ-साथ बहुत से राष्ट्रीय कार्यक्रमों व नीतियों के विषय में जागरूक हो पाता है। इसमें रेडियो, दूरदर्शन, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, किताबें तथा चलचित्र सम्मिलित हैं।

आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) यह राष्ट्रीय, क्षेत्रीय तथा स्थानीय भाषा में देश के विभिन्न भागों में अनेक वर्गों के व्यक्तियों के लिए विविध कार्यक्रम प्रसारित करता है।

दूरदर्शन यह देश का राष्ट्रीय समाचार व संदेश माध्यम है तथा विश्व के वृहत्तम संचार तंत्र में से एक है। यह विभिन्न आयु वर्ग के व्यक्तियों हेतु मनोरंजक, ज्ञानवर्द्धक व खेल-जगत संबंधी कार्यक्रम प्रसारित करता है।

समाचार-पत्र/पत्रिकाएँ भारत में वर्षभर में अनेक समाचार-पत्र व सामयिक पत्रिकाएँ प्रकाशित की जाती हैं। ये पत्रिकाएँ सामयिक होने के साथ ही अनेक प्रकार की होती हैं—मासिक, साप्ताहिक, वार्षिक आदि।

समाचार-पत्र लगभग 100 भाषाओं तथा बोलियों में प्रकाशित होते हैं। भारत में हिंदी भाषा में सर्वाधिक समाचार-पत्र प्रकाशित होते हैं। उसके बाद क्रमशः अंग्रेजी और उर्दू के समाचार-पत्र आते हैं।

चलचित्र भारत विश्व में सर्वाधिक चलचित्र उत्पादक के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ कम अवधि वाली फिल्में, वीडियो फीचर फिल्म तथा छोटी वीडियो फिल्में भी बनती हैं। भारतीय व विदेशी सभी फिल्मों को प्रमाणित करने का अधिकार 'केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड' को है।

6. परिवहन की आवश्यकता क्यों है? क्या यह कहना सही है कि परिवहन के कुशल साधन तेजी से विकास के लिए आवश्यक हैं? **(CBSE 2020)**

उत्तर वस्तुओं एवं सेवाओं को लाने तथा ले जाने के लिए परिवहन की आवश्यकता होती है। कुछ समय पूर्व तक व्यापार एवं परिवहन सुविधा एक सीमित क्षेत्र तक ही होती थी।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ व्यापार एवं परिवहन के प्रभाव क्षेत्र में विस्तृत वृद्धि हुई है। सक्षम व तीव्र गति वाले परिवहन से आज विश्व एक बड़े गाँव में परिवर्तित हो गया है।

परिवहन का यह विकास संचार साधनों के विकास की सहायता से संभव हो सका है। आज भारत अपने विशाल आकार, विविधताओं, भाषायी, सामाजिक व सांस्कृतिक बहुलताओं के बावजूद संसार के सभी क्षेत्रों से सुचारु रूप से जुड़ा हुआ है। रेल, वायु एवं जल परिवहन, समाचार-पत्र, रेडियो, दूरदर्शन, सिनेमा तथा इंटरनेट आदि इसके सामाजिक-आर्थिक विकास में अनेक प्रकार से सहायक हैं।

स्थानिक से अंतर्राष्ट्रीय स्तरीय व्यापार ने अर्थव्यवस्था को जीवन शक्ति प्रदान की है। इसने हमारे जीवन को समृद्ध किया है तथा आरामदायक जीवन के लिए सुविधाओं व साधनों में बढ़ोतरी की है। आधुनिक संचार तथा परिवहन के साधन हमारे देश और इसकी आधुनिक अर्थव्यवस्था को संचालित करते हैं।

अतः यह स्पष्ट है कि परिवहन के कुशल साधन तेजी से विकास के लिए आवश्यक हैं। इसलिए परिवहन, व्यापार व संचार एक-दूसरे के पूरक हैं।

7. पिछले पंद्रह वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की बदलती प्रवृत्ति पर एक लेख लिखिए। (NCERT)

उत्तर पिछले पंद्रह वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की बदलती प्रवृत्ति को निम्न रूपों में देखा जा सकता है

(i) 90 के दशक तक भारत के द्वारा निर्यात की जाने वाली वस्तुओं में प्रमुखतः कृषि उत्पाद थे, परंतु अब भारत ने सेवाओं के निर्यात में भी उच्च स्तर की वृद्धि कर ली है। वस्तुओं के आदान-प्रदान की अपेक्षा सूचनाओं, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी का महत्त्व बढ़ा है।

भारत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक सॉफ्टवेयर महाशक्ति के रूप में उभरा है। सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत अत्यधिक विदेशी मुद्रा अर्जित कर रहा है।

(ii) पिछले कुछ दशकों से भारत में पर्यटन उद्योग में महत्त्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

(iii) अब भारत में निर्मित वस्तुएँ अन्य देशों को भी निर्यात की जाने लगी हैं। हमारे व्यापारिक संबंध इंग्लैंड की अपेक्षा अमेरिका, रूस, जापान, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के अन्य देशों व तेल उत्पादक क्षेत्रों से भी बढ़ रहे हैं।

(iv) सार्क देशों के साथ भी भारत के व्यापारिक संबंध बढ़ रहे हैं।

(v) अमेरिका तथा अरब देशों के बाद अब चीन भारत का प्रमुख व्यापारिक सहयोगी बन गया है।

केस स्टडी आधारित प्रश्न

1. निम्नलिखित स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

वस्तुओं तथा सेवाओं का लाना-ले जाना पृथ्वी के तीन महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों पर किया जाता है—स्थल, जल तथा वायु। इन्हीं के आधार पर परिवहन को स्थल, जल व वायु परिवहन में वर्गीकृत किया जा सकता है। बहुत समय तक व्यापार तथा परिवहन सुविधा एक सीमित क्षेत्र तक ही किया जाता था। विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विकास के साथ व्यापार व परिवहन के प्रभाव क्षेत्र में विस्तृत वृद्धि हुई है। सक्षम व तीव्र गति वाले परिवहन से आज संसार एक बड़े गाँव में परिवर्तित हो गया है। परिवहन का यह विकास संचार साधनों के विकास की सहायता से ही संभव हो सका है। इसलिए परिवहन, संचार व व्यापार एक-दूसरे के पूरक हैं।

आज भारत अपने विशाल आकार, विविधताओं, भाषायी तथा सामाजिक व सांस्कृतिक बहुलताओं के बावजूद संसार के सभी क्षेत्रों से सुचारु रूप से जुड़ा हुआ है।

रेल, वायु एवं जल परिवहन, समाचार-पत्र, रेडियो, दूरदर्शन, सिनेमा तथा इंटरनेट आदि इसके सामाजिक-आर्थिक विकास में अनेक प्रकार से सहायक हैं। स्थानिक से अंतर्राष्ट्रीय स्तरीय व्यापार ने अर्थव्यवस्था को जीवन शक्ति दी है। इसने हमारे जीवन को समृद्ध किया है तथा आरामदायक जीवन के लिए सुविधाओं व साधनों में बढ़ोतरी की है।

(i) किन कारणों से सक्षम परिवहन के साधन तीव्र विकास हेतु पूर्व अपेक्षित हैं?

उत्तर किसी देश के विकास की गति उत्पादन के साथ-साथ वस्तुओं तथा सेवाओं को उनके एक स्थान से दूसरे स्थान तक वहन की सुविधा पर भी निर्भर करती है। इसलिए सक्षम परिवहन के साधन तीव्र विकास के लिए अपेक्षित हैं।

(ii) प्राचीन समय से वर्तमान समय तक परिवहन साधनों में किस प्रकार का सुधार हुआ?

उत्तर प्राचीन समय में परिवहन के साधन विकसित नहीं थे, जिसके कारण परिवहन सुविधा सीमित क्षेत्र तक ही थी। विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विकास ने परिवहन साधनों में अभूतपूर्व वृद्धि की है, जिसके कारण आज संसार एक बड़े गाँव में परिवर्तित हो चुका है।

(iii) किस प्रकार से परिवहन सांस्कृतिक एकीकरण के लिए आवश्यक है?

उत्तर परिवहन के तीव्र विकास ने व्यक्तियों की दूरी को बहुत हद तक कम किया है, जिससे सांस्कृतिक विविधताओं तथा सांस्कृतिक बहुलताओं में कमी आई है। इस प्रकार परिवहन ने सांस्कृतिक एकीकरण को प्रबल किया है।

2. निम्नलिखित स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

भारत सरकार ने दिल्ली-कोलकाता, चेन्नई-मुंबई व दिल्ली को जोड़ने वाली 6 लेन वाली महा राजमार्गों की सड़क परियोजना प्रारंभ की है। इस परियोजना के तहत दो गलियारे प्रस्तावित हैं—प्रथम, उत्तर-दक्षिण गलियारा, जो श्रीनगर को कन्याकुमारी से जोड़ता है तथा द्वितीय, पूर्व-पश्चिम गलियारा, जो सिलचर (असम) तथा पोरबंदर (गुजरात) को जोड़ता है।

इस महा राजमार्ग का प्रमुख उद्देश्य भारत के मेगासिटी के मध्य की दूरी व परिवहन समय को न्यूनतम करना है। यह राजमार्ग परियोजना भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में है।

राष्ट्रीय राजमार्ग देश के दूरस्थ भागों को जोड़ते हैं। ये प्राथमिक सड़क तंत्र हैं, जिनका निर्माण व रखरखाव केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के अधिकार क्षेत्र में है।

अनेक प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम दिशाओं में फैले हैं। दिल्ली व अमृतसर के मध्य ऐतिहासिक शेरशाह सूरी मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या—1 के नाम से जाना जाता है।

(i) **सड़क परिवहन को रेल परिवहन से अच्छा किन कारणों के आधार पर माना जाता है?**

उत्तर सड़क परिवहन को रेल परिवहन से अच्छा निम्नलिखित कथनों के आधार पर माना जाता है

- रेलवे लाइन की अपेक्षा सड़कों की निर्माण लागत बहुत कम है।
- ऊबड़-खाबड़ स्थानों पर रेल परिवहन से अपेक्षाकृत सड़क परिवहन को जल्द विकसित किया जा सकता है।
- सड़क परिवहन अन्य परिवहन क्षेत्रों को जोड़ने का भी काम करता है।

(ii) **भारत में किन आधारों पर सड़कों को छः वर्गों में विभाजित किया गया है?**

उत्तर भारत में सड़कों को सक्षमता के आधार पर छः वर्गों में वर्गीकृत किया गया है

(i) स्वर्णिम चतुर्भुज महा राजमार्ग
(ii) राष्ट्रीय राजमार्ग
(iii) राज्य राजमार्ग
(iv) जिला मार्ग
(v) सीमांत सड़कें
(vi) अन्य सड़कें

(iii) **भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों की कोई दो विशेषता बताइए।**

उत्तर भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों की दो विशेषता निम्न प्रकार है

(i) राष्ट्रीय राजमार्ग देश के दूरस्थ भागों को जोड़ते हैं।
(ii) राष्ट्रीय राजमार्गों का एक समुचित जाल व्यवस्थित है।

3. निम्नलिखित स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

स्रोत 'अ' संचार में गतिशीलता

जब से मानव पृथ्वी पर अवतरित हुआ है, उसने विभिन्न संचार माध्यमों का प्रयोग किया है, लेकिन आधुनिक समय में बदलाव की गति तीव्र है। संदेश प्राप्तकर्ता या संदेश भेजने वाले के गतिविहीन रहते हुए भी लंबी दूरी का संचार बहुत आसान है। निजी दूरसंचार तथा जनसंचार में दूरदर्शन, रेडियो, समाचार-पत्र समूह, प्रेस तथा सिनेमा आदि देश के प्रमुख संचार साधन हैं।

(i) **संचार प्रणाली में प्राचीनकाल से लेकर वर्तमान समय तक किस प्रकार के परिवर्तन हुए हैं? परिभाषित कीजिए।**

उत्तर मनुष्य ने प्रारंभ से ही विभिन्न माध्यमों के द्वारा संचार किया है, परंतु वर्तमान समय में वैज्ञानिक द्वारा किए गए विभिन्न आविष्कारों ने संचार के माध्यमों को तीव्रता प्रदान की है। वर्तमान में संदेश प्राप्तकर्ता या संदेश भेजने वाले के गतिविहीन रहते हुए भी लंबी दूरी का संचार बहुत आसान हुआ है।

स्रोत 'ब' डाकघर की महत्ता

भारत का डाक-संचार तंत्र विश्व का वृहत्तम है। यह पार्सल, निजी पत्र व्यवहार तथा तार आदि को संचालित करता है। कार्ड व लिफाफा बंद चिट्ठी, पहली श्रेणी की डाक समझी जाती है तथा विभिन्न स्थानों पर वायुयान द्वारा पहुँचाए जाते हैं। द्वितीय श्रेणी की डाक में रजिस्टर्ड पैकेट, किताबें, अखबार तथा मैग्जीन शामिल हैं। ये धरातलीय डाक द्वारा पहुँचाए जाते हैं तथा इनके लिए स्थल व जल परिवहन का प्रयोग किया जाता है।

(ii) **भारत में डाकघर किस प्रकार से कार्य करता है?**

उत्तर भारत में डाकघर विभिन्न यातायात साधनों के माध्यम से कार्य करता है। भारतीय डाकघर प्रथम श्रेणी के सामान को वायुयान द्वारा पहुँचाता है तथा द्वितीय श्रेणी के सामान को पहुँचाने के लिए जल व स्थल साधनों का उपयोग करता है।

स्रोत 'स' भारत में संचार की स्थिति

दूरसंचार तंत्र में भारत एशिया महाद्वीप में अग्रणी है। नगरीय क्षेत्रों के अतिरिक्त, भारत के दो-तिहाई से अधिक गाँव एसटीडी दूरभाष सेवा से जुड़े हैं। सूचनाओं के प्रसार को आधार स्तर से उच्च स्तर तक समृद्ध करने हेतु भारत सरकार ने देश के प्रत्येक गाँव में चौबीस घंटे एसटीडी सुविधा के विशेष प्रबंध किए हैं। पूरे देशभर में एसटीडी की दरों को भी नियमित किया गया है। यह सब सूचना, संचार व अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के समन्वित विकास से ही संभव हो पाया है।

(iii) **दूरसंचार के क्षेत्र में भारत किस प्रकार अन्य एशियाई देशों से भिन्न है?**

उत्तर दूरसंचार के क्षेत्र में भारत अन्य एशियाई देशों में अग्रणी है, क्योंकि भारत के नगरीय क्षेत्रों के अतिरिक्त भारत के दो-तिहाई से अधिक गाँव भी एसटीडी दूरभाष सेवा से जुड़े हैं, जो इन क्षेत्र में दूरसंचार से संबंधित सेवाएँ प्रदान करते हैं।

• मानचित्र आधारित प्रश्न

1. दिए गए मानचित्र पर निम्नलिखित को अंकित कीजिए
(i) मुंबई बंदरगाह से व्यापार का भार कम करने हेतु विकसित किया गया बंदरगाह **(CBSE 2014, 12, 10, 11)**
(ii) पंजाब स्थित अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा **(CBSE 2020, 19, 18)**
(iii) विशाखापत्तनम पत्तन
(iv) इंदिरा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा
(v) चेन्नई पत्तन
(vi) राजीव गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

उत्तर

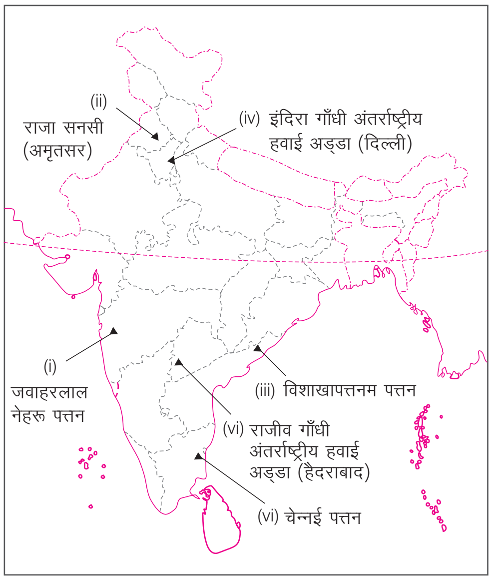

2. दिए गए मानचित्र पर निम्नलिखित को अंकित कीजिए
(i) चेन्नई (मीनमबक्कम) अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा **(CBSE 2020)**
(ii) तूतीकोरिन पत्तन **(CBSE 2020)**
(iii) नेताजी सुभाषचंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (कोलकाता)
(iv) छत्रपति शिवाजी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (मुंबई)
(v) मर्मागाओ पत्तन

उत्तर

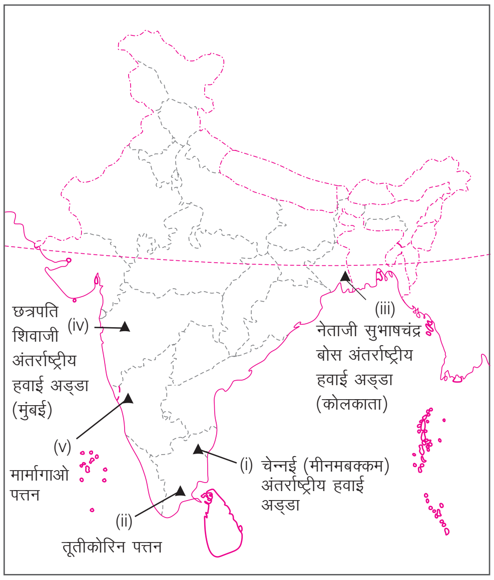

3. दिए गए मानचित्र पर निम्नलिखित को अंकित कीजिए
(i) कांडला समुद्री पत्तन
(ii) मुंबई समुद्री पत्तन
(iii) न्यू मंगलौर पत्तन

उत्तर

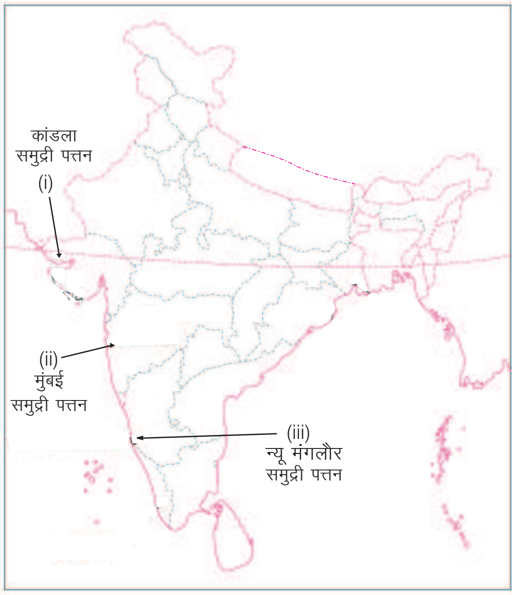

4. दिए गए मानचित्र पर निम्नलिखित को अंकित कीजिए
(i) कोच्चि समुद्री पत्तन
(ii) पारादीप समुद्री पत्तन
(iii) हल्दिया समुद्री पत्तन

उत्तर

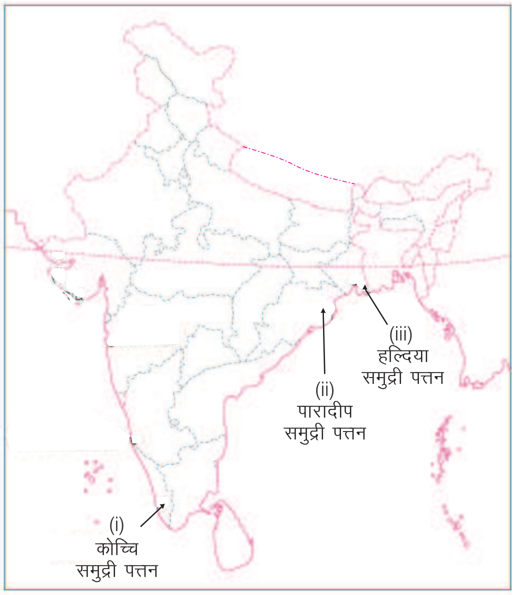

चैप्टर टेस्ट

• वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. सीमावर्ती सड़कों को अन्य किस नाम से जाना जाता है?
(a) ग्रामीण सड़कें (b) सीमांत सड़कें (c) अनुवर्ती सड़कें (d) कनिष्ठक सड़कें

2. ऑल इंडिया रेडियो को अन्य किस नाम से जाना जाता है?
(a) दूरदर्शन (b) राष्ट्रीय टीवी चैनल (c) आकाशवाणी (d) रेडियो इंडिया

3. दो देशों के मध्य किया जाने वाला व्यापार ……… कहलाता है।
(a) राष्ट्रीय (b) देशीय (c) क्षेत्रीय (d) अंतर्राष्ट्रीय

4. भारत में फिल्मों को प्रमाणित करने का अधिकार ……… को है।
(a) राष्ट्रीय फिल्म संगठन (b) केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (c) केंद्रीय फिल्म संगठन (d) राष्ट्रीय फिल्म बोर्ड

5. निम्नलिखित कथनों का अध्ययन कर सही कूट का चयन करें
1. रेलवे लाइनों की अपेक्षा सड़कों की निर्माण लागत बहुत अधिक है।
2. सड़क परिवहन घर-घर सेवाओं को पहुँचाने में सक्षम है।
3. भारत में सड़कों की सक्षमता के आधार पर इन्हें छ: भागों में बाँटा गया है।

कूट
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3 (c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

• वर्णनात्मक प्रश्न

लघु उत्तरीय प्रश्न

6. राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक लघु निबंध लिखिए।

7. सड़क निर्माण में प्रयुक्त पदार्थों के आधार पर सड़कों का वर्गीकरण कीजिए।

8. सीमांत सड़कों ने किस प्रकार जनजीवन को प्रभावित किया है?

9. पाँच महत्त्वपूर्ण रेलवे जोन को उनके मुख्यालय सहित बताते हुए रेलवे के लाभों को बताइए।

10. "पाइपलाइन परिवहन का एक अत्याधुनिक साधन है।" व्याख्या कीजिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

11. "विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास ने व्यापार एवं परिवहन को प्रभावित किया है।" अपने शब्दों में उत्तर दीजिए।

12. व्यापार और बाजार, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से किस प्रकार संबंधित है? बताइए।

13. पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु सरकार को किस तरह के प्रयास करने चाहिए?

उत्तर **1.** (b) **2.** (c) **3.** (d) **4.** (b) **5.** (b)